दीनार टाइम्स
कानपुर न्यूज

कृषकों को बांटे फसल कटाई यंत्र, खिले चेहरे

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित ग्वारी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल कटाई यंत्र का वितरण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री कृषि लाखन सिंह, विशिष्ट अतिथि हेमचंद्र सिंह पूर्व स्पीकर मणिपुर, कृषि विश्वविद्यालय के बोर्ड मेंबर विवेक चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी, कानपुर मंडल संयुक्त निदेशक कृषि, उप निदेशक कृषि औरैया, भूमिसंरक्षण अधिकारी, औरैया इत्यादि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में जनपद के भाग्यनगर एवं सहार विकास खंड के 25 क्लस्टर में 100 मशीनों का वितरण अतिथियों के द्वारा किया गया। मशीनों का वितरण अनंत चतुर्वेदी लखनऊ द्वारा किसानों का चयन करके किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने राज्य सरकार का धन्यवाद दिया जो औरैया जनपद में किसान हित में इतना बड़ा कदम उठाया साथ जिन्होंने सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्राकृतिक खेती पर बल दिया कार्यक्रम सभी अतिथियों के संबोधन उपरांत निदेशक

प्रसार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह के साथ साथ अंग वस्त्र भेंट किया। इस मौके पर केंद्र के प्रभारी डा रामपलट, पशुपालन वैज्ञानिक डॉ बृज विकाश सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉ इंद्र पाल सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉ रश्मी यादव, कैलाश उपाध्याय, अंकुर झा, विवेक, नरेंद्र, के के यादव के साथ साथ जनपद के लगभग 200 किसान उपस्थित रहे।

का अध्ययन भी शामिल किया जाएगा। इससे छात्र भारतीय ज्ञान परंपरा को ... में योगदान दे सकेंगे। विद्यार्थियों को

संभावनाएं भी बढ़ी हैं। कोर्स पूरा करने के ... सकते हैं।

अमर उजाला 18/04/2026

पारंपरिक ज्ञान व आधुनिक नवाचार से खेती होगी टिकाऊ

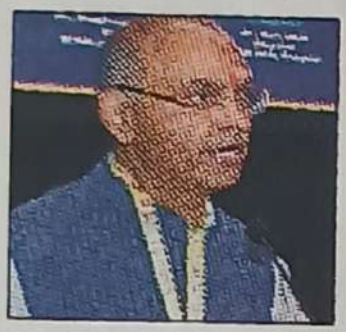

अंतरराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक। स्रोतः विवि

कानपुर। भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक कृषि तकनीकों के समन्वय के माध्यम से सतत कृषि विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। संयोजक एवं निदेशक डॉ. हिमांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय पारंपरिक कृषि ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों का संतुलन ही भविष्य की कृषि को टिकाऊ बना सकता है। मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति रहे। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली और आधुनिक कृषि नवाचारों का एकीकरण ही भविष्य की कृषि को नई दिशा देगा। जर्मनी से आए डॉ. उलरिच बर्क, डॉ. राघवेंद्र सिंह, डॉ. जीपी दीक्षित, डॉ. शिव दत्त ने भी विचार रखे। (ब्यूरो)

18/04/2026

जागरण सिटी

नई तकनीक अपनाकर कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाएं

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण व सतत कृषि पर मंथन

सीएसजेएमयू में आयोजित सेमिनार में स्मारिका और बुक आफ एब्स्ट्रैक्ट्स का विमोचन करते मुख्य अतिथि मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन (बाएं से चौथे) व कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक (दाएं से चौथे) व अन्य अतिथि • संस्थान

- इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च के सहयोग से आयोजित हो रहा सेमिनार
- जर्मनी के डा. उलरिच बर्क ने अग्निहोत्र एवं होमा फार्मिंग तकनीक की दी जानकारी

जागरण संवाददाता, कानपुर : सतत कृषि को मजबूत बनाने के लिए नीतिगत सहयोग, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक तकनीकों का खेतों तक प्रभावी ढंग से पहुंचना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नई तकनीक को अपनाकर कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सकता है। ये बातें मंडलायुक्त एवं चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति के. विजयेन्द्र पांडियन ने कही। वह छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल आफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलाजी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों, वैज्ञानिक संस्थानों और किसानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली और आधुनिक कृषि नवाचारों का एकीकरण ही भविष्य की कृषि को नई दिशा देगा। जर्मनी से आए डा. उलरिच बर्क ने अग्निहोत्र एवं होमा फार्मिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। आइसीएआर-एटारी के निदेशक डा. राघवेंद्र सिंह ने कृषि विस्तार तंत्र में नवाचारों की आवश्यकता पर बल दिया। आइआइपीआर के निदेशक डा. जीपी दीक्षित ने दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। तकनीकी सत्रों में डा. आरके पाठक ने कास्मिक फार्मिंग के बारे में बताया।

आज महानगर

आधुनिक कृषि नवाचारों का एकीकरण ही भविष्य में देगा नई दिशा

❑ सीएसजेएमयू में अंतरराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन 2026 का शुभारंभ, सतत कृषि पर वैज्ञानिकों का वैश्विक मंथन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 17 अप्रैल। सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय कृषि सम्मेलन 2026-का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति एवं मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने सतत कृषि के लिए नीतिगत सहयोग और आधुनिक तकनीकों के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली और आधुनिक कृषि नवाचारों का एकीकरण ही भविष्य की कृषि को नई दिशा देगा। उन्होंने इस सम्मेलन को ज्ञान-विनिमय का महत्वपूर्ण मंच बताते हुए इसके दूरगामी प्रभावों की अपेक्षा व्यक्त की। 17 व 18 अप्रैल तक चलने वाले इस सम्मेलन का आयोजन इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की भी

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व अन्य।

सहभागिता है। सम्मेलन में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक कृषि तकनीकों के समन्वय के माध्यम से सतत कृषि विकास पर विशेष चर्चाएं हुई। उदघाटन सत्र की शुरुआत आयोजन संयोजक एवं निदेशक डॉ. हिमांशु त्रिवेदी ने सम्मेलन की थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय पारंपरिक कृषि ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों का संतुलन ही भविष्य की कृषि को टिकाऊ बना सकता है। आयोजन सचिव डॉ. श्रेया सिंह ने सम्मेलन की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं तकनीकी सत्रों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कॉन्फ्रेंस स्मारिका एवं बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स का विमोचन भी किया गया, जो इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण चरण रहा। सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। जर्मनी से आए डॉ. उलरिच बर्क ने अग्निहोत्र एवं होमा फार्मिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि की अवधारणा पर प्रकाश डाला। आईसीएआर-एटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कृषि विस्तार तंत्र में नवाचारों की आवश्यकता पर बल दिया। आईसीएआर-आईआईपीआर, कानपुर के निदेशक डॉ. जी.पी. दीक्षित ने दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के समन्वय को कृषि विकास की आधारशिला बताया । सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में भी विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। डॉ. आर.के. पाठक ने च्कॉस्मिक फार्मिंगज की अवधारणा पर चर्चा की, जबकि डॉ. एस.के. चतुर्वेदी ने फसल सुधार एवं उत्पादन वृद्धि की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। डॉ. शिव दत्त ने कृषि अनुसंधान में बौद्धिक संपदा अधिकारों की भूमिका समझाई और डॉ. दीपा एच. द्विवेदी ने नैनोटेक्नोलॉजी को किसानों के लिए उपयोगी बताया। इस दौरान विवि के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर अवस्थी, सह-संयोजक डॉ. वी.के. त्रिपाठी, डॉ. कौशल कुमार आदि मौजूद रहे।

धर्म बद[...]
प्रेमजाल
ले[...]

कानपुर, 17 अ[...]
खान ने रोहन ब[...]
साकर भगा ले [...]

धर्मांतरण [...]
लिखाई [...]

परिजनों को आ[...]
बनाकर उसका [...]
पुलिस अपहरण[...]
तलाश कर रही [...]
मलिन बस्ती नि[...]
वर्षीय किशोरी घ[...]
15 अप्रैल को व[...]
वह घर नहीं आई [...]
उसका कुछ पता[...]
पनकी पॉवर हाउस[...]
नाम रोहन बताकर[...]
भगा ले गया। आश[...]
न कर दे। आनन-[...]
शिकायत की है। थ[...]
कि तहरीर पर आ[...]
अपहरण की रिपोर्ट[...]
बरामदगी व आरोपि[...]

किसानों को वितरित किए फसल कटाई यंत्र

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 17 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित ग्वारी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल कटाई यंत्र का वितरण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के भाग्यनगर एवं सहार विकास खंड के 25 क्लस्टर में 100 मशीनों का वितरण किया गया। मशीनों का वितरण अनंत चतुर्वेदी लखनऊ द्वारा किसानों का चयन करके किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहाकि औरैया जनपद में किसान हित में इतना बड़ा कदम उठाया साथ जिन्होंने सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए प्राकृतिक खेती पर बल दिया कार्यक्रम सभी अतिथियों के संबोधन उपरांत निदेशक प्रसार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह के साथ साथ अंग वस्त्र भेंट किया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, हेमचंद्र सिंह, कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के बोर्ड मेंबर विवेक चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी, कानपुर मंडल संयुक्त निदेशक कृषि, उप निदेशक कृषि औरैया, केंद्र के प्रभारी डा रामपलट, पशुपालन वैज्ञानिक डॉ बृज विकाश सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉ इंद्र पाल सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉ रश्मी यादव, कैलाश उपाध्याय, अंकुर झा, विवेक कुमार के अलावा जनपद के लगभग 200 किसान उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों ने किसानों को दी फसलों की जानकारी

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक 98 | लखनऊ व एटा से प्रकशित शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य

कृषकों को वितरित किए फसल कटाई यंत्र, खिले चेहरे

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित ग्वारी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल कटाई यंत्र का वितरण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री लाखन सिंह राजपूत पूर्व राज्यमंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान यूपी,विशिष्ट अतिथियों में श्री हेमचंद्र सिंह पूर्व स्पीकर मणिपुर, कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के बोर्ड मेंबर श्री विवेक चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी, कानपुर मंडल संयुक्त निदेशक कृषि, उप निदेशक कृषि औरैया, भूमिसंरक्षण अधिकारी, औरैया इत्यादि उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम में जनपद के भाग्यनगर एवं सहार विकास खंड के 25 क्लस्टर में 100 मशीनों का वितरण अतिथियों के द्वारा किया गया।मशीनों का वितरण अनंत चतुर्वेदी लखनऊ द्वारा किसानों का चयन करके किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि ने राज्य सरकार का धन्यवाद दिया जो औरैया जनपद में किसान हित में इतना बड़ा कदम उठाया साथ जिन्होंने सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए

प्राकृतिक खेती पर बल दिया कार्यक्रम सभी अतिथियों के संबोधन उपरांत निदेशक प्रसार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह के साथ साथ अंग वस्त्र भेंट किया। इस मौके पर केंद्र के प्रभारी डा रामपलट, पशुपालन वैज्ञानिक डॉ बृज विकाश सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉ इंद्र पाल सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉ रश्मी यादव, कैलाश उपाध्याय, अंकुर झा, विवेक, नरेंद्र, के के यादव के साथ साथ जनपद के लगभग 200 किसान उपस्थित रहे।